महाराष्ट्र शासन द्वारा स्वीकृत नवीन पाठ्यक्रम तथा उनके उद्देश्यों को मुद्दे नज़र रखते हुए राष्ट्रीय एकता की भावना को दृढ़ करने हेतु नौवीं तथा दसवीं हिंदी-द्वितीय भाषा का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इसमें अहिंदी भाषी छात्रों की आयु, रूचि तथा आकलनशक्ति का विचार किया गया है।

इस स्तर के छात्रों को हिंदी भाषा तथा हिंदी साहित्य से परिचित कराने की दृष्टि से पाठ्यक्रम में प्रयोगशीलता का समावेश किया गया है।

उद्देश्य

1) छात्रों में अपनी मातृभाषा के साथ-साथ हिंदी के प्रति रूचि निर्माण करना।
2) हिंदी के मानक उच्चारण, लेखन तथा संवाद कौशल में वृद्धि करना। भाषा के व्याकरण एवं संरचना का परिचय देना।
3) छात्रों में पाठ्यपुस्तकेतर साहित्य के प्रति रूचि जगाना।
4) समाचार पत्र, पत्र-पत्रिकाएँ, दूरदर्शन आदि में प्रयुक्त हिंदी प्रयोगों का परिचय देना।
5) अनुदित साहित्य एवं अहिंदी भाषिक लेखकों की हिंदी कृतियों को समाविष्ट करके राष्ट्रीय एकता का बोध जगाना।
6) साहित्य का रसास्वादन करने की क्षमता का विकास करना। छात्रों में कलाबोध जगाना।
7) साहित्य के माध्यम से शाश्वत मूल्यों के ज्ञान के संस्कार करना।
8) सरकारी स्तर पर प्रयुक्त हिंदी से परिचित कराना।

कक्षा ९ वीं

1. गद्य : सूक्ष्म अध्ययन : ५० पृष्ठ (लगभग)
   प्रस्तावना, टिप्पणी आदि को छोड़कर ....
   सूक्ष्म अध्ययन १२ गद्य पाठ

विधाएँ

कहानी	४ (नारीकेंद्रित - १)
निबंध	४
एकांकी	१
विज्ञान/पर्यावरण	१
यात्रावर्णन	१
हास्यव्यंग्य	१
	१२

2. पद्य – १०० पद्य पंक्तियाँ (लगभग),
   प्राचीन मध्यकालीन, छायावादी, नई कविता, समकालीन
   आधुनिक
   (इनमें प्रकृतिपरक : २ कविताएँ अपेक्षित)
3. स्थूलवाचन : विविधा २० पृष्ठ (लगभग)
4. व्याकरण
   मुहावरें, अव्यय, कालपरिवर्तन, वाक्य शुद्धिकरण
5. रचनाविभाग
   निबंध - विचारात्मक, वर्णनात्मक, आत्मकथात्मक।
   कहानी - रुपरेखा के आधार पर; आकलन एवं सार लेखन अथवा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखना।
   प्रयोजनमूलक हिंदी – पत्रलेखन – कार्यालयीन एवं व्यावसायिक, पारिभाषिक शब्दावली, वृत्तांत लेखन।